जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान

(D.I.E.T.)

वार्षिक कार्यक्रम 2016–17

–: शिक्षक शिक्षा विभाग :–

राजस्थान राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान,

उदयपुर

मुख्य संरक्षक

माननीय श्री वासुदेव देवनानी

शिक्षा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
प्राथमिक एवं माध्यमिक शिक्षा,
राजस्थान सरकार, जयपुर

श्री नरेशपाल गंगवार

शासन सचिव,
माध्यमिक शिक्षा राजस्थान सरकार,जयपुर

संरक्षक

श्री बी. एल. स्वर्णकार

निदेशक,माध्यमिक शिक्षा,
राजस्थान, बीकानेर

श्री जगदीश पुरोहित

निदेशाक,प्रारंभिक शिक्षा
राजस्थान, बीकानेर

मुख्य मार्गदर्शक

श्री जगमोहन सिंह

निदेशक
रा.रा.शै.अ.प्र.सं.उदयपुर

मार्गदर्शक

श्रीमती कृश्णा चौहान

उपनिदेशक
रा.रा.शै.अ.प्र.सं.उदयपुर

राजस्थान राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान,उदयपुर

सत्र 2016–17

अनुक्रमणिका

विवरण

क्र.सं.	विवरण	पृष्ठ सं.
1.	प्रस्तावना	4–7
2.	डाइट प्रधानाचार्य हेतु सामान्य निर्देश	7–14
3.	प्रभागवार मासिक कार्यक्रमों की संख्या का संख्यात्मक विवरण	14–15
4.	प्रभागवार कार्यक्रमों की संख्या	15–16
4.1	योजना एवं प्रबंधन प्रभाग (P&M)	16–19
4.2	सेवारत शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम,क्षेत्रीय अंतक्रियाएं एवं नवाचार समन्वय (IFIC)	19–25
4.3	शिक्षाक्रम,अधिगम सामग्री विकास एवं मूल्यांकन (CMDE)	25–29
4.4	जिला संसाधन इकाई (DRU)	30–35
4.5	शैक्षिक प्रौद्यौगिकी (ET)	35–39
4.6	कार्यानुभव (WE)	39–44
5.	परिशिष्ट (अ,ब,स)	
6.	कार्यकारी दल	44–45

शिक्षा में गुणवत्ता, शिक्षक की गुणवत्ता के समानुपाती होती है। अतः शिक्षा में गुणवत्ता लाने हेतु शिक्षक की व्यावसायिक क्षमता संवर्धन करना आवश्यक है। प्रारम्भिक शिक्षा में सार्वजनीकरण के लक्ष्यों को प्राप्त करने तथा प्रारम्भिक शिक्षा के स्तर में गुणात्मक उन्नयन, नवाचार व शैक्षिक अनुसंधान में गत्यात्मकता के प्रयास हेतु जिला स्तर पर जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डाइट) अपनी मुख्य भूमिका का निर्वहन कर रहा है।

NCF 2005 के परिप्रेक्ष्य में शिक्षा में वांछित लक्ष्यों की प्राप्ति एवं शिक्षण को जन आकांक्षाओं के अनुरूप उपलब्धिपरक बनाने के लिए विभिन्न प्र ि ाक्षणों एवं कार्यगोश्ठियों का आयोजन किया जा रहा है।

निः ाुल्क एवं अनिवार्य बाल शिक्षा अधिकार अधिनियम (2009) के प्रावधानानुसार 6–14 वर्श के समस्त बालक बालिकाओं को गुणवत्ता युक्त निः ाुल्क एवं अनिवार्य शिक्षा प्रदान करने का कार्य राज्य सरकार व केन्द्र सरकार का है। इसके अन्तर्गत सतत् एवं व्यापक मूल्यांकन (CCE) के द्वारा बालकों को परीक्षा से भयमुक्त कर उनके सर्वांगीण विकास का रास्ता खोला गया है। साथ ही विद्यार्थियों के भौक्षिक स्तर उन्नयन के उद्देश्य से ''स्टेट इनिशियेटिव फॉर क्वालिटी एजुकेशन'' (SIQE) गुणवत्तापूर्ण शिक्षा हेतु राज्य की पहल परियोजना आरंभ की गई है। इस परियोजना का उद्देश्य बाल केंद्रित शिक्षण एवं गतिविधि आधारित अधिगम (CCP) है। इस वर्श के पंचांग में CCE/SIQE को समस्त प्रारंभिक एवं माध्यमिक समन्वित विद्यालयों में संचालित किया जाना है।

शिक्षा में गुणवत्ता लाने हेतु शिक्षक की व्यावसायिक क्षमता संवर्द्धन हेतु डाइट्स द्वारा दो प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाते है– सेवापूर्व एवं सेवारत प्रशिक्षण। जैसा की स्पश्ट है सेवा पूर्व प्रशिक्षण द्वारा भावी शिक्षक तैयार होते हैं तथा शिक्षण में अनुभूत कठिनाइयों को दूर कर नवीनतम शिक्षण कौशल से परिचित करा कर शिक्षण को सरल एवं प्रभावी बनाने हेतु सेवारत प्रशिक्षणों का आयोजन किया जाता है।

शिक्षकों की व्यावसायिक दक्षता में अभिवृद्धि करने, कौशलों के संवर्द्धन, शिक्षा में विभिन्न नवाचारों, नवीन आयामों, शिक्षण विधियों एवं पद्धतियों से अवगत कराने, सेवारत प्रशिक्षण, कार्यगोष्ठी व प्रसार कार्यक्रमों में राज्य स्तर पर एकरूपता रखने हेतु संस्थान स्तर पर वार्षिक पंचांग का निर्माण किया जाकर राज्य की सभी डाइट्स को प्रेषित किया जाता है। इसकी मूल भावना इन कार्यक्रमों के माध्यम से शिक्षकों को संबल प्रदान

करना है ताकि वे नवीन पाठ्यक्रम के अनुसार शिक्षा के अपेक्षित लक्ष्यों को प्राप्त कर सके। राज्य स्तर पर निर्मित इस पंचाग के आधार पर जिले की आवश्यकताओं को सम्मिलित करके डाइट अपना वार्षिक पंचाग तैयार करती है।

राज्य में इस वर्ष प्रारंभिक शिक्षा विभाग के अंतर्गत संचालित प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालयों तथा माध्यमिक शिक्षा विभाग के अंतर्गत संचालित माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक विद्यालयों में कक्षा 1 से 5 में बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने के लिए एसआईईआरटी द्वारा राज्य में शिक्षकों के प्रशिक्षणों के लिए 3 वर्ष का कार्यक्रम प्रस्तावित है। इस कार्यक्रम में 3 वर्ष में 45 दिवसीय 9 कोर्सेज के रूप में प्रस्तावित फ्रेम वर्क इस प्रकार है–

Year	Course name	Course code	Timing	Duration
1.	Comprehensive Basic Foundation	CBF	Summer	6 days
	Comprehensive Basic Practice	CBP	School days/cluster	1 days×5=5 days
	Comprehensive Basic Revesion	CBR	Winter	4 days
2.	Intermediate Foundation	IF	Summer	6 days
	Intermediate Practice	IP	School days/cluster	1 days×5=5 days
	Intermediate Revesion	IR	Winter	4 days
3.	Comprehensive Advance Foundation	CAF	Summer	6 days
	Comprehensive Advance Practice	CAP	School days/cluster	1 days×5=5 days
	Comprehensive Advance Revesion	CAR	Winter	4 days
			Total days	45 days

DIET FOCUS -

1. प्रत्येक डाइट अपने जिले की आवश्यकतानुसार दक्ष प्रशिक्षकों का पुल तैयार करें इसके लिए ब्लॉक को 25 से 30 विद्यालयों के कलस्टर में विभाजित कर प्रत्येक कलस्टर से विषयवार 2 से 3 दक्ष प्रशिक्षकों का चयन किया जाए। इस पकार प्रत्येक ब्लॉक के पास विषयवार औसतन 50 से 60 दक्ष प्रशिक्षकों का पुल 3 वर्ष के लिए तैयार होगा।

2. इस आधार पर प्रत्येक डाइट के पास औसतन 10 ब्लॉक प्रति जिले के आधार पर लगभग 500 दक्ष प्रशिक्षक (प्रति विषय 100 दक्ष प्रशिक्षक) के क्षमता संवर्धन की प्रशिक्षण की जिम्मेदारी रहेगी।

3. एसएसए एवं रमसा के अधिकारियों को आमंत्रित कर जिला स्तर पर योजना एवं नीड बेस विषयवार वर्कशीट तैयार करना।

4. विद्यालय संबलन एवं क्रियान्विति योजना के अंतर्गत डाइट समस्त प्रभागों को सम्मिलित कर स्कूल सपोर्ट प्लान बनाना और क्रियान्वित करना।

राजस्थान राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान, उदयपुर द्वारा डाइट हेतु वार्षिक पंचांग निम्नलिखित उद्देश्यों के आधार पर निर्मित किया गया है–

1. जिले के राजकीय एवं निजी, प्राथमिक, उच्च प्राथमिक एवं समन्वित माध्यमिक तथा उच्च माध्यमिक विद्यालयों में प्रबन्धन एवं कक्षा–शिक्षण की गुणवत्ता में अभिवृद्धि करना।
2. विभिन्न प्रशिक्षणों, कार्यशालाओं एवं प्रसार कार्यक्रमो के माध्यम से शिक्षकों में व्यावहारिक दक्षता एवं प्रतिबद्धता बढ़ाना।
3. पाठ्यक्रम की समझ विकसित करना तथा विषय वस्तु को स्थानीय परिवेश से जोड़ते हुए शिक्षकों एवं विद्यार्थियों हेतु उपयोगी अधिगम सामग्री का विकास करना।
4. शत प्रतिशत नामांकन एवं कक्षोन्नति युक्त ठहराव सुनिश्चित करने एवं कक्षा शिक्षण की गुणवत्ता में उत्तरोत्तर अभिवृद्धि हेतु विभिन्न प्रकार के अनुसंधान करना।
5. कक्षा शिक्षण में शैक्षिक नवाचारों के उपयोग हेतु शिक्षक को नवाचारों से जोड़ना।

6. शिक्षक में अनुसंधान के दृष्टिकोण का विकास एवं क्रियात्मक अनुसंधान को बढ़ावा देना।
7. शिक्षण सहायक सामग्री का निर्माण एवं प्रयोग में बढ़ावा देना तथा टी.एल.एम. का अधिकतम उपयोग करना।
8. राजकीय विद्यालय में बाल केन्द्रित गतिविधियों को प्रोत्साहित करना।
9. समस्त समन्वित विद्यालयों के प्रधानाचार्यों, प्रधानाध्यापकों एवं शिक्षकों में (SIQE) विधा के अनुरूप कक्षा कक्ष गतिविधियों को बालकेंद्रित शिक्षण (CCP) एवं गतिविधि आधारित बनाने हेतु दक्षता संवर्धन करना।

डाइट प्रधानाचार्य हेतु सामान्य निर्देश–

उपर्युक्त उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए सभी डाइट्स के प्रधानाचार्यो से अपेक्षा है कि वे निम्नलिखित निर्देशों की पालना सुनिश्चित करें।

1. प्रधानाचार्य अपने जिले की आवश्यकतानुसार कार्यक्रमों की सख्या में वृद्वि तथा सम्पादन की सुविधानुसार कार्यक्रमों को एक प्रभाग से दूसरे प्रभाग में डाइट पंचांग बनाते समय बदल सकते हैं। विशेषकर सीबीएफ/सीबीपी/सीबीआर, आदि में।
2. शिक्षकों के शिक्षण एवं प्रशिक्षण कौशल में अभिवर्द्धन पर विशेष ध्यान दें।
3. शिक्षा के क्षेत्र में होने वाले विभिन्न नवाचार एवं अनुसंधान की जानकारी करावें।
4. शिक्षकों को नवीन पाठयक्रम में निर्धारित दक्षताओं केा विद्यार्थियों में विकसित करने हेतु संबल प्रदान कराएं।
5. सेवारत शिक्षक प्रशिक्षण, कार्यगोष्ठियों एवं प्रसार के माध्यम से शैक्षिक तकनीकी एवं नवाचारों को विद्यालय स्तर तक पहुंचाएं।
6. अपने जिले या क्षेत्र में होने वाले विशिष्ट कार्यक्रमों, शैक्षिक योजनाओं को अपने पंचांग में सम्मिलित करें।
7. पंचांग में वर्णित प्रभाग के करणीय कार्यो का गहन अध्ययन कर ब्लॉक, जिला एवं मण्डल स्तर के अधिकारियों से समन्वय स्थापित कर कार्यक्रमों की क्रियान्विति सुनिश्चित कराएं।
8. सभी प्रभागों में न्यूनतम निम्नांकित सूचनाएँ आवश्यक रूप से प्रदर्शित कर अद्यतन रखी जाएं।

   (अ) वर्तमान सत्र की प्रभाग की योजना, मासिक कार्यक्रम, सम्पादित कार्य, लाभान्वितों की संख्या, लक्ष्य आदि।

   (ब) प्रभाग द्वारा सम्पादित किये जा रहे विशिष्ट कार्य।

   (स) प्रभाग द्वारा न्यूनतम विगत 5 वर्षो की उपलब्धियाँ।

(द) मासिक कार्यक्रम– मासिक पट्ट पर।

(य) वार्ताकार को उसकी योग्यता व क्षमता को ध्यान में रखकर बुलाया जाए।

(र) प्रत्येक प्रभार में कार्यगोश्ठी प्रशिक्षण आदि के दौरान लिपिक वर्ग, पंजीयन, मानदेय, लेखा संबंधी कार्य में मदद ली जावें ।

9. डाइट द्वारा आयोजित किए जाने वाले प्रशिक्षणों में 40 संभागी एवं कार्यगोष्ठियों में अधिकतम 20 संभागी एकरूपता की दृष्टि से आवश्यक है।

10. शिक्षा में गुणवत्ता वृद्धि करने हेतु SIQE कार्यक्रम को समस्त विद्लयों में संचालित होना सुनिश्चित कराएं।

11. रा.रा.भौ.अ.प्र.सं., उदयपुर द्वारा प्रस्तावित पंचांगानुसार 70 प्रति ात कार्यक्रम (प्रशिक्षण एवं कार्यगोश्ठी) ज्यों के त्यों रखना आवश्यक है 30 प्रतिशत कार्यक्रम डाइट अपने स्वविवेक से परिवर्तन कर सकती है।

12. सभी प्रशिक्षणों में न्यूनतम एक सत्र राष्ट्रीय सरोकार के विषयों जैसे स्वच्छ भारत, सड़क सुरक्षा, डी वर्मिंग, छात्र–छात्राओं की विभिन्न कल्याणकारी योजनाएं, पर्यावरण एवं अन्य समकालीन विषयों को पंचांग में भाामिल कराएं।

प्रबन्धन–

1. यह पंचांग सुझावात्मक है। इसमें वर्णित कार्यक्रमों को जिले की आवश्यकतानुसार चयन किया जा सकता है। वार्शिक पंचांग प्राप्त होते ही डाइट प्रधानाचार्य सर्वप्रथम कार्यक्रम सलाहकार समिति (पी.ए.सी.) की बैठक आयोजित कर अपने जिले की आवश्यकतानुसार इस पंचांग में नए कार्यक्रमों का समावेश कर उनके आयोजन की तिथियाँ निर्धारित करते हुए पंचांग का निर्माण करें। पंचांग की एक–एक प्रति सभी प्रतिनियुक्ति आदेश जारी करने वाले अधिकारियों यथा– उपनिदेशक, जिशिअ. (प्रा.शि./मा.शि.), ब्लॉक प्रारंभिक शिक्षा अधिकारी, पी.ए.सी. के सदस्य, शिक्षा निदेशालय व इस संस्थान को प्रेषित करें। पी.ए.सी. की द्वितीय बैठक माह दिसंबर में आयोजित कर संपादित कार्यक्रमों व बजट उपयोग की मध्यावधि समीक्षा की जाए। शेष रहे कार्यक्रमों को आगामी माह में आयोजित करने व उपलब्धि बढ़ाने हेतु नये कार्यक्रमों को प्रस्तावित कर पी.ए.सी. के सदस्यों से इसका अनुमोदन कराया जाए।

2. प्रत्येक डाइट प्रथम पी.ए.सी. बैठक के उपरान्त जिला स्तर पर प्रभागवार प्रस्तावित/चयनित कार्यक्रमों का निर्धारण करें एवं प्रत्येक माह का समेकित कार्यक्रम अवश्य प्रकाशित करें।

प्रभागवार मासिक कार्यक्रम का प्रारूप

सत्र– **माह का नाम–**

क्र.सं.	प्रभाग का नाम	कार्यक्रम का शीर्षक	प्रकार	स्तर	अवधि	संभागी संख्या	संदर्भ व्यक्ति/ प्रशिक्षक	बजट	वि.वि.

नोट– (प) पंचांग प्रकाशन में निर्देशों का उल्लेख अवश्य करें।

(पप) प्रभागवार कार्यक्रमों की संख्या (वर्ष 2016–17) की सारणी प्रकाशित करें।

(पपप) प्रभागवार मासिक कार्यक्रमों का संख्यात्मक विवरण (अप्रेल, 2016 से मार्च, 2017) की सारणी प्रकाशित करें।

3. प्रत्येक माह के प्रथम सप्ताह में उस माह में आयोजित किए जाने वाले कार्यक्रमों को डाइट के सूचना पट्ट पर दर्शाया जाए।
4. सत्र में पी.ए.सी. की दो, एल.ए.सी. की एक व डी.सी.सी. की चार बैठकों का आयोजन कर इनके प्रतिवेदन संबंधित अधिकारियों व इस संस्थान को प्रेषित करें। इन बैठकों में जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा स्वयं उपस्थित होकर कार्यक्रमों की क्रियान्विति में सहयोग प्रदान किया जाना अपेक्षित है।
5. डाइट प्रधानाचार्य प्रभागवार संस्थान द्वारा निर्धारित कार्यक्रमों में परिस्थितिवश/आवश्यकतानुसार कार्यक्रमों की संख्या एवं आवंटित बजट में आन्तरिक परिवर्तन/समायोजन कर सकेंगे तथा किसी कार्यक्रम को अन्य प्रभाग द्वारा भी आयोजित करवाया जा सकता है। माहवार, प्रभागवार कार्यक्रम डाइट स्तर पर तैयार कर डाइट पंचांग में सम्मिलित किया जावे।
6. प्रधानाचार्य अपने स्टॉफ की मासिक बैठक आयोजित कर पंचांग के कार्यक्रमों की क्रियान्विति सुनिश्चित करें।

प्रशिक्षण–

1. ई.टी. प्रभाग में उपलब्ध श्रव्य–दृश्य साधनों का उपयोग प्र. सहा./तकनीशियन के सहयोग से अन्य प्रभागों के कार्यक्रमों में किया जाए।

2. डाइट में उपलब्ध कम्प्यूटर के प्रभावी उपयोग हेतु उपयुक्त व्यक्ति को प्रशिक्षण प्रदान कर शासकीय कार्य उससे करवाये जाएं।
3. डाइट के अकादमिक अधिकारियों को राष्ट्रीय/राज्य स्तरीय प्रशिक्षण संस्थाओं द्वारा प्रशिक्षण में प्रतिनियुक्त करने पर आवश्यक रूप से कार्यमुक्त किया जाए।
4. अतिन्यून संख्या को छोड़कर सामान्यतः प्रशिक्षण कार्यक्रमों को निरस्त नहीं किए जाएं। स्थगित कार्यक्रमों को आगामी माह में आयोजित किया जाएं।
5. प्रशिक्षण कार्यक्रम क्रमशः जिले के किसी एक ब्लॉक के नोडल विद्यालयों के शिक्षकों हेतु आयोजित किए जाएं। प्रति नोडल विद्यालय प्रति प्रशिक्षण एक शिक्षक को प्रशिक्षित किया जाए। नोडल विद्यालयों की संख्या 40 से कम है तो उसी ब्लॉक के अन्य उ.प्रा.वि. के एक एक शिक्षक को प्रशिक्षित किया जाए।

6.प्रशिक्षण कार्यक्रम आवासीय एवं गैर आवासीय होगें ।

7. गैर आवासीय की अवधि एक दिन एवं अन्य प्रशिक्षण आवासीय होगें ।

8. वित्तीय प्रावधान पूर्ववत रहेगें।

9.प्रशिक्षण कार्यक्रमों हेतु दो संदर्भ व्यक्तियों में से एक डाइट संकाय का सदस्य तथा एक बाह्य संदर्भ व्यक्ति होगा ।

कार्यगोष्ठियां

1 प्रत्येक प्रभाग द्वारा सामग्री निर्माण हेतु कार्यगोष्ठियों का आयोजन किया जाएगा।

2 कार्यगोश्ठियों की अवधि 1 एवं 3 दिवसीय है।

3 इस हेतु संभागियों के आदेश 30 दिन पूर्व संबंधित विद्यालय/संस्थान/कार्यालय को प्रेशित किए जाएॅ।

4 कार्यगोश्ठियों में निर्मित सामग्री को डी.पी.सी./बी.आर.सी.एफ. (एस.एस.ए.) रमसा को उपलब्ध करवाया जाये ताकि एस.एस.ए./रमसा द्वारा आयोजित प्रशिक्षणों में उसका उपयोग किया जा सके।

प्रकाशन एवं अनुसंधानः–

1 डाइट स्तर पर आई. एफ. आई. सी. प्रभाग द्वारा एक प्रकाशन समिति का गठन किया जावे, जिसके द्वारा प्रकाशन कार्य की समीक्षा की जाएगी।

2 डाइट पंचांग एवं समस्त प्रकार के प्रकाशन दायित्वों का निर्वहन आई.एफ.आई.सी. प्रभाग द्वारा किया जाए।

3 राज्य स्तरीय, जिला स्तरीय, प्रभाग स्तरीय शोध, डर्फ द्वारा सम्पादित अनुसंधान कार्यक्रमों का समन्वयन आई.एफ.आई.सी. प्रभाग द्वारा किया जावेगा। प्रत्येक प्रभाग द्वारा एक क्रियात्मक अनुसंधान/अनुसंधान किया जावें एवं प्रभागस्तरीय शोध की प्रगति प्रत्येक माह में आई.एफ.आई. सी. प्रभाग को दी जाए।

4 शोध कार्यो का चयन करते समय इस बात का विशेष ध्यान रखा जाये कि पूर्व में किए गये कार्यो की पुनरावृति नहीं हो तथा भोध के परिणामों की क्षेत्र में उपयोगिता हो।

प्रसार–

1 प्रसार संबंधी कार्यक्रम 1 दिवसीय होंगे।

2 अन्तर जिला भ्रमण की अवधि 4 दिवस एवं अन्तर्राज्य भ्रमण की अवधि 5 दिवस

3 अन्तर्राज्यीय भ्रमण हेतु राज्य सरकार द्वारा स्वीकृति प्राप्त करना अनिवार्य है।

प्रतिनियुक्ति–

1. संभागियों की प्रतिनियुक्ति हेतु 30 दिवस पूर्व पत्र प्रेषित किया जावे तथा 20 प्रतिशत आरक्षित संभागी आमंत्रित किए जावें। अनुपस्थित संभागियों के विरूद्ध निदेशक, प्रारम्भिक शिक्षा, राजस्थान बीकानेर के परिपत्र क्र. शिविरा/सी/18920/5/95–96 दिनांक 9.4.96 एवं उपशासन सचिव (प्रथम) के पत्रांक प.17(01)ि ाक्षा–1/2008 दिनांक 29.01.2010 के अनुसार कार्यवाही प्रस्तावित की जावे।
2. संभागियों की प्रतिनियुक्ति डाइट ''गाईड लाइन्स'' के पृष्ठ सं. 24 के अनुरूप करायी जावे।

3. प्रशिक्षण कार्यक्रमों में डाइट में उपलब्ध मानवीय संसाधनों एवं भौतिक संसाधनों का अधिकतम उपयोग किया जावे।

मूल्यांकन एवं प्रबोधनः–

1. प्रस्तावित एवं संपादित कार्यक्रमों की त्रैमासिक सूचना त्रैमास की समाप्ति पर संस्थान, उदयपुर को प्रेषित करें। सूचना में कार्यक्रम का शीर्षक, प्रभाग, आयोजित कार्यक्रम व लाभान्वित संभागियों की संख्या का स्पष्ट उल्लेख करें। प्रस्तावित कार्यक्रम संपादित न होने का कारण स्पष्ट लिखें। (यदि कोई हो)
2. डाइट गाइड लाईन्स के अध्याय–7 के पृष्ठ सं. 49 के बिन्दु सं. 7.6.1 के अनुसार वार्षिक मूल्यांकन किया जाकर उपलब्धियों से संस्थान, उदयपुर को अवगत कराया जावें।
3. सत्रांत में पंचांगानुसार आयोजित कार्यक्रमों की समीक्षा कर निर्धारित प्रपत्र में सूचना प्रेषित करे।
4. सी.सी.ई. विद्यालय का नियमित प्रबोधन एवं ऑन साइट सपोर्ट किया जाना आवश्यक है।

बजटः–

1. डाइट गाइडलाईन्स के पृष्ठ सं. 74 पर वर्णित विभिन्न मदों यथा– प्रकाशन, अनुसंधान, क्षेत्रीय अन्तःक्रिया, भ्रमण इत्यादि मदों पर निर्धारित बजट का अधिकतम उपयोग सुनिश्चित किया जावें।
2. प्रशिक्षण शिविरों के लिए संभागियों एवं संदर्भ व्यक्तियों/प्रशिक्षकों की यात्रा व्यय, मानदेय, स्टेशनरी एवं अन्य विविध व्ययों हेतु राजस्थान सरकार – स्कूल शिक्षा विभाग, प्रारंभिक शिक्षा (आयोजना) अनुभाग जयपुर के पत्रांक–प.15(1) शिक्षा–1/प्राशि/1998 दिनांक 19/8/2013 की गाइडलाईन्स के अनुसार किया जाए।

3ण समस्त प्रभागों की विभिन्न प्रतियोगिताओं में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले शिक्षक को क्रमशः 500, 300 एवं 200 रूपये पुरस्कार राशि दी जायेगी।

4ण अन्तर्जिला एवं अन्तर्राज्यीय भ्रमण हेतु प्रावधानों के अनुसार होगा।

अन्य–

1 त्रैमास में आयोजित कार्यक्रम, टीचर्स प्रोफाईल, वार्षिक मूल्यांकन का प्रारूप पूर्व में दिया गया है। उसी के अनुसार रिकार्ड संधारित किया जावे।

2 डाइट में आयोजित कार्यक्रमों की मासिक सूचना अर्द्धशासकीय पत्र द्वारा इस संस्थान को अनिवार्य रूप से तथा निदेशक महोदय प्रारंभिक शिक्षा, राज., बीकानेर को त्रैमासिक प्रगति विवरण (QPR) आगामी माह की 10 तारीख तक आवश्यक रूप से भिजवावें।

3 जिले में प्रशिक्षित/योग्य संदर्भ व्यक्तियों का पदनाम के अनुसार विषयवार/क्षेत्रवार पैनल पुनः तैयार किया जाए ताकि आवश्यकतानुसार उन्हें आमंत्रित किया जा सके।

4 प्रबोधन, अनुवर्तन व मूल्यांकन के साथ विद्यालय परिवीक्षण/रेडियो प्रसारण परिवीक्षण आवश्यक रूप से किया जाएं।

प्रभागवार मासिक कार्यक्रमों का संख्यात्मक विवरण सत्र 2016–17

कार्यक्रम का नाम		अप्रैल 16	मई 16	जून 16	जुलाई 16	अगस्त 16	सितम्बर 16	अक्टूबर 16	नवम्बर 16	दिसम्बर 16	जनवरी 17	फरवरी 17	मार्च 17	योग
P&M	कार्य.संख्या	—	4	—	3	3	3	2	2	5	2	4	3	31
	संभागी संख्या	—	110	—	08	80	48	40	20	104	20	60	—	490
IFIC	कार्य.संख्या	—	3	3	3	4	2	2	3	4	2	2	12	40
	संभागी संख्या	—	100	28	90	140	48	18	100	92	40	40	40	736
CMDE	कार्य.संख्या	—	4	1	5	5	5	4	4	9	4	4	7	56
	संभागी संख्या	—	160	8	20	168	20	—	—	160	4	—	—	540
DRU	कार्य.संख्या	—	—	1	3	3	4	2	3	4	2	1	4	27
	संभागी संख्या	—	—	8	60	88	80	40	84	40	20	40	20	480
ET	कार्य.संख्या	1	4	1	2	5	1	1	2	2	2	—	2	24
	संभागी संख्या	20	120	20	40	128	40	8	44	80	70	—	—	570
WE	कार्य.संख्या	—	1	2	3	2	3	3	3	3	3	3	3	28
	संभागी संख्या	—	8	28	48	40	80	44	60	50	40	60	—	458
योग	कार्य.संख्या	1	16	7	19	22	18	14	17	27	15	14	22	192

	संभागी संख्या	20	498	92	266	644	316	150	308	526	194	200	60	3274

प्रभागवार कार्यक्रमों की संख्या सत्र 2016–17

क्र. सं.	विभाग	कार्यक्रमों का प्रकार						कार्यक्रमों का योग	कुल संभागी	अनुमानित राशि
		प्रशिक्षण	कार्यगोष्ठी	प्रसार	प्रकाशन	अनुसंधान	बैठक			
1.	P&M	9	6	11	1	1	3	31	490	390960
2.	IFIC	10	10	3	4	7	6	40	736	544630
3.	CMDE	12	5	29	1	1	8	56	540	416940
4	DRU	11	5	9	1	1	—	27	480	224055
5.	ET	9	12	1	1	1	—	24	570	460365
6.	WE	9	7	10	1	1	—	28	458	365000

	योग	60	45	63	9	12	17	206	3274	2438030

योजना एवं प्रबन्धन प्रभाग (P & M)

पृष्ठभूमि –

संस्थान के समस्त प्रभागों में योजना एवं प्रबंधन प्रभाग एक धुरी के रूप में कार्य करता है। संस्थान के सभी प्रभागों का एक व्यवस्थित लेखा जोखा इसी विभाग में रहता है। संस्थान का अमुक प्रभाग किस समयावधि में कौन से कार्य की क्रियान्विति करेगा इसकी जानकारी केवल यह प्रभाग ही रखता है। कार्यक्रम सलाहकार समिति (PAC) एवं पुस्तकालय सलाहकार समिति (LAC) की बैठक का आयोजन करना इसी प्रभाग के दायित्वों में से एक है। संस्थान के वार्षिक पंचांग का अनुमोदन कार्यक्रम सलाहकार समिति करती है। कार्यक्रमों को बढ़ाने अथवा घटाने का कार्य इस समिति के अधिकार क्षेत्र में आता है। यह प्रभाग टीचर्स प्रोफाईल को अद्यतन करता है। प्राथमिक, उच्च प्राथमिक एवं समन्वित विद्यालयों के संस्था प्रधानों के लिए प्रशिक्षण, वाक्पीठ में मार्गदर्शन करने का कार्य भी इसी विभाग के द्वारा किया जाता है। लेब एरिया में संपन्न होने वाली गतिविधियों को इस विभाग द्वारा आयोजित किया जाता है। समस्त सांख्यिकीय सूचनाओं का संकलन एवं प्रका ान कर इसे उपलब्ध कराने में यह विभाग अपनी महत्ती भूमिका का निर्वहन करता है।

प्रभाग के कार्य–

1. सत्र 2016–17 के वार्षिक पंचांग के लक्ष्यों की पूर्ति करना।
2. प्राथमिक, उच्च प्राथमिक एवं समन्वित विद्यालयों के संस्था प्रधान तथा परिवीक्षण अधिकारियों को प्रशिक्षण प्रदान करना।
3. प्रधानाध्यापक वाक्पीठ में आवश्यकतानुसार वार्ता देना।

4. एस.एम.सी. गठन एवं कार्य प्रणाली संबंधी प्रशिक्षण आयोजित करना।
5. नवनियुक्त शिक्षकों की क्षमता संवर्धन हेतु एवं उ.प्रा.वि के प्रधानाचार्यों की कम्प्यूटर दक्षता हेतु प्रशिक्षण मॉड्यूल निर्मित करना।
6. पी.ए.सी एवं एल.ए.सी, की बैठकों का आयोजन करना।
7. प्रसार, अनुसंधान एवं प्रकाशन आदि कार्यक्रमों की क्रियान्विति

योजना एवं प्रबन्धन प्रभाग (P & M) के कार्यक्रमों का संख्यात्मक विवरण

कार्यक्रम के प्रकार						कार्यक्रमों की कुल संख्या	कुल संभागी	अनुमानित राशि
प्रशिक्षण	कार्यगोष्ठी	प्रसार	अनुसंधान	प्रकाशन	बैठक			
9	6	11	1	1	3	31	490	390960

योजना एवं प्रबन्धन प्रभाग (P & M) का वार्षिक कार्यक्रम 2016–2017

क्र. सं.	कार्यक्रम का शीर्षक	कार्य क्रम	माह	अवधि	संभागी संख्या	संभागी स्तर	संदर्भ व्यक्ति / प्रशिक्षक	अनुमानित व्यय	वि.वि.
1.	Comprehensive Basic Foundation / Comprehensive Advance Foundation कोर्स वर्ष 1 हेतु दक्ष प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण	2	मई 16	6दिन	40 40	प्रावि / उप्रावि प्रावि / उप्रावि	3 3	48000 48000	
2.	Comprehensive Basic Practice/ Comprehensive Advance Practice कोर्स वर्ष 1 हेतु दक्ष प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण	2	अगस्त 16	2दिन	40 40	प्रावि / उप्रावि प्रावि / उप्रावि	3 3	16000 16000	

3.	Comprehensive Basic Revision/ Comprehensive Advance Revision कोर्स वर्ष 1 हेतु दक्ष प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण	2	दिसंबर 16	4दिन	40 40	प्रावि/उप्रावि प्रावि/उप्रावि	3 3	32000 32000	
4.	विद्यालय प्रभावी प्रबंधन हेतु समन्वित राउमावि/मावि के प्रधानाचार्य एवं हेडटीचर का नेतृत्व क्षमता संवर्धन प्रशिक्षण (सीसीपी एवं सीसीई/एसआईक्यूई के संदर्भ में)	1	अक्टूबर 16	5दिन	40	समन्वित राउमावि प्रधानाचार्य व हेड टीचरर्स	2	40000	
5.	उ.प्रा.वि. के प्रधानाध्यापकों हेतु नेतृत्व क्षमता संवर्धन प्रशिक्षण	1	फरवरी 17	5दिन	40	उप्रावि प्रअ	2	40000	
6.	नवनियुक्त शिक्षकों का क्षमता संवर्धन हेतु प्रशिक्षण	1	सितम्बर 16	5 दिन	40	प्रावि/उप्रावि प	प्रति प्रशिक्षण (1डाइट संकाय एवं 1 बाइट)	40,000	नवनियुक्त शिक्षक जिन्होंने यह प्रशिक्षण पूर्व में प्राप्त नहीं किया हो उपलब्ध होने पर
कार्यगोष्ठीः–									
1	अनुसंधान कार्यगोष्ठी– आकल्प निर्माण, उपकरण निर्माण, दत्त विश्लेषण एवं रिपोर्ट लेखन	3	जुलाई 16 सितंबर 16 दिसंबर 16	3 दिन	8 8 4	विषय विशेषज्ञ विषय विशेषज्ञ विषय विशेषज्ञ	– – –	10,485 10,485 5242	
2	नवाचार आधारित विद्यालय योजना निर्माण कार्यगोष्ठी	2	नवंबर 16 जनवरी 17	3 दिन	20 20	विषय विशेषज्ञ विषय विशेषज्ञ	–	10,485 10,485	
3	विद्यालयों के अवलोकन, परिवीक्षण एवं संबलन हेतु प्रपत्रों की समीक्षा कार्यगोष्ठी	1	अक्टूबर 16	3 दिन	20	डाइट संकाय एवं विषय विशेषज्ञ		10,485	
बैठक–									
1.	कार्यक्रम सलाहकार समिति (PAC) की बैठक	2	मई 16 दिस. 16	1 दिन 1 दिन	20 20	पी.ए.सी. के सदस्य पी.ए.सी. के सदस्य	–	8700 8700	टी.ए.,डी.ए. एवं पेन डायरी
2.	पुस्तकालय सलाहकार समिति (LAC) की बैठक	1	मई 16	1 दिन	10	एल.ए.सी. के सदस्य	–	4650	
प्रसार–									
1.	प्र.अ. वाक्पीठ में वार्ता, प्रबोधन, मार्गदर्शन एवं संबलन	2	जुलाई 16 फरवरी,17	1 दिन 1 दिन	–	प्रभागाध्यक्ष एवं प्रभाग प्रभारी	–	–	

2.	विद्यालयों का अवलोकन, प्रबोधन एवं मार्गदर्शन	9	जुलाई 16 से मार्च,17	प्रति माह एक	–	डाइट फेकल्टी द्वारा	–	–	
प्रकाशन–									
1	प्रभाग स्तरीय ब्रोशर/फोल्डर का प्रकाशन विशय वस्तु नवाचार एवं उपलब्धियां	1	मार्च. 17	–	–	डाइट स्तर	–	प्रकाशन मद से	
अनुसंधान –									
1	प्रभाग स्तरीय अनुसंधान/ क्रियात्मक अनुसंधान	1	सत्र पर्यन्त	–	–	–	–	अनुसंधान मद से	

योजना एवं प्रबन्धन प्रभाग (P & M) के कार्यक्रमों की वार्षिक कार्य योजना सत्र 2016–17

कार्यक्रमों के नाम		अप्रेल 16	मई 16	जून 16	जुलाई 16	अगस्त 16	सितम्बर 16	अक्टूबर 16	नवम्बर 16	दिसम्बर 16	जनवरी 17	फरवरी, 17	मार्च 17	योग
प्रशिक्षण	कार्य. सं.	–	2	–	–	2	1	1	–	2	–	1	–	9
	संभागी सं.	–	80			80	40	40	–	80	–	40	–	360
कार्यगोष्ठी	कार्य. सं.	–	–	–	1	–	1	–	1	1	1	1	–	6
	संभागी सं.	–			08	–	8	–	20	4	20	20	–	80
प्रसार	कार्य. सं.	–	–	–	2	1	1	1	1	1	1	2	1	11
	संभागी सं.	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–
प्रकाशन	कार्य. सं.	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	1	1
	संभागी सं.	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–
अनुसंधान	कार्य. सं.	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	1	1
	संभागी सं.	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–
	कार्य. सं.		2	–	–	–	–	–	–	1	–	–	–	3

बैठक		–												
	संभागी सं.	–	30	–	–	–	–	–	–	20	–	–	–	50
योग	कार्य. सं.	–	4	–	3	3	3	2	2	5	2	4	3	31
	संभागी सं.	–	110	–	8	80	48	40	20	104	20	60	–	490

सेवारत शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम, क्षेत्रीय अंतःक्रियाएँ एवं नवाचार समन्वय प्रभाग (IFIC)

पृष्ठभूमि–

आज के तकनीकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी के युग में ज्ञान का विस्फोट हो रहा है। शिक्षा के क्षेत्र में समय समय पर होने वाले बदलाव तथा नवाचारों के चलते प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक कक्षाओं के पाठ्यक्रम को समृद्ध किया गया है। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान के अस्तित्व में आने के बाद यह प्रभाग संस्थान के प्रमुख स्तंभ के रूप में कार्य कर रहा है।

पाठ्यपुस्तकों में निहित नवीन पक्षों से शिक्षकों को अद्यतन कराने के उद्देश्य से शिक्षकों को समय समय पर प्रशिक्षण दिया जाना आवश्यक है। प्रशिक्षणों के माध्यम से अध्यापकों को बाल केंद्रित उपागम एवं गतिविधि आधारित शिक्षण अधिगम की प्रक्रिया का ज्ञान कराना आवश्यक है। हिंदी, अंग्रेजी, तृतीय भाषा एवं सामाजिक विज्ञान विषयों से संबंधित प्रशिक्षणों के साथ साथ यह प्रभाग डर्फ एवं प्रभाग स्तरीय शोध कार्य एवं प्रकाशन कार्य भी संपादित कर रहा है। इन प्रशिक्षणों से शिक्षक सतत् एवं व्यापक मूल्यांकन की अवधारणा को समझ सकेंगे एवं शिक्षण में प्रायोगिक एवं व्यावहारिक कार्यों को संपादित करने हेतु आवश्यक तैयारी एवं प्रभावी क्रियान्वयन कर सकेंगे।

प्रभाग के कार्य–

1. जिले में प्रा.शि. से जुड़े विभिन्न विभागों/कार्यालयों से समन्वय स्थापित करना।
2. जिले में उ.प्रा.वि. स्तर के शिक्षकों हेतु तृतीय भाषा की पाठ्यपुस्तकों पर आधारित प्रशिक्षणों का आयोजन।
3. जिला शिक्षा अनुसंधाता वाक्पीठ (डर्फ) की नियमित बैठकें आयोजित करना एवं डर्फ से जुड़े शोधार्थी सदस्यों को मार्गदर्शन प्रदान करना।
4. जिले में प्रा.वि./उ.प्रा.वि. में कार्यरत शोध में रूचि रखने वाले शिक्षकों के लिए क्रियात्मक अनुसंधान प्रशिक्षण का आयोजन।
5. जिला स्तरीय शोध निर्देशानुसार संपन्न करना।
6. राज्य स्तरीय शोध हेतु जिले में सर्वे कार्य करवाने के लिए योजना तैयार करना एवं सर्वे कार्य एस.आई.ई.आर.टी उदयपुर के निर्देशानुसार करवाना।
7. अंतर्जिला शैक्षिक भ्रमण का कार्यक्रम आयोजन करना एवं अंतर्राज्यीय डाइट शैक्षिक भ्रमण का कार्यक्रम राज्य सरकार से स्वीकृति प्राप्त कर संपादित करना । इनका प्रतिवेदन एसआईईआरटी उदयपुर को प्रेषित करना।

8. डर्फ सलाहकार मंडल एवं कार्यकारिणी मंडल की सत्रारंभ व सत्रांत बैठकों का आयोजन करना। जिले में प्रारंभिक शिक्षा से जुड़े विभिन्न विभागों एवं प्रभागों में समन्वय हेतु जिला समन्वय समिति (डीसीसी)की बैठकों का आयोजन करना।
9. शिक्षकों में रचनात्मक एवं सृजनात्मक दक्षता के विकास के लिए जिला स्तरीय शिक्षक आलेख/निबंध लेखन /वाद विवाद/क्विज़ प्रतियोगिताओं का आयोजन करना।
10. प्रकाशन एवं अनुसंधान के समस्त कार्यक्रमों का सभी प्रभागों में समन्वय स्थापित कर संपादित करना।
11. आई.एफ.आई.सी. प्रभाग को आवंटित प्रकाशन/अनुसंधान/क्षेत्रीय अंतःक्रिया हेतु राशि का उपयोग संस्थान के प्रकाशन/अनुसंधान/प्रसार कार्यक्रम में करना।
12. संस्थान की वार्षिक कार्ययोजना निर्माण कार्यगोष्ठी का आयोजन कर सभी प्रभागों के समन्वय से डाइट पंचांग का निर्माण एवं प्रकाशन करवाना।

सेवारत शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम, क्षेत्रीय अंतःक्रियाएँ एवं नवाचार समन्वय प्रभाग के कार्यक्रमों का संख्यात्मक विवरण

कार्यक्रम के प्रकार						कार्यक्रमों की कुल संख्या	कुल संभागी	अनुमानित राशि
प्रशिक्षण	कार्यगोष्ठी	प्रसार	अनुसंधान	प्रकाशन	बैठकें			
10	10	3	7	4	6	40	736	544630

सेवारत शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम, क्षेत्रीय अंतःक्रियाएँ एवं नवाचार समन्वय प्रभाग (IFIC) का वार्षिक कार्यक्रम 2016–2017

क्र. सं.	कार्यक्रम का शीर्षक	कार्यक्रम	माह	अवधि	संभागी संख्या	संभागी स्तर	संदर्भ व्यक्ति/प्रशिक्षक	अनुमानित व्यय	वि.वि.
	प्रशिक्षण								
1	Comprehensive Basic Foundation / Comprehensive Advance Foundation कोर्स वर्ष 1 हेतु दक्ष प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण	2	मई 16	6दिन	40 40	प्रावि/उप्रावि प्रावि/उप्रावि	2 2	48000 48000	

2	Comprehensive Basic Practice/ Comprehensive Advance Practice कोर्स वर्ष 1 हेतु दक्ष प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण	2	अगस्त 16	2दिन	40 40	प्रावि / उप्रावि प्रावि / उप्रावि	2 2	16000 16000	
3.	Comprehensive Basic Revision/ Comprehensive Advance Revision कोर्स वर्ष 1 हेतु दक्ष प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण	2	दिसंबर 16	4दिन	40 40	प्रावि / उप्रावि प्रावि / उप्रावि	2 2	32000 32000	
4	क्रियात्मक अनुसंधान संबंधी प्रशिक्षण	1	नव. 16	5 दिन	40	प्रा.वि. / उप्रावि शिक्षक	2	40000 / —	
5	कक्षा 6 से 8 की सामाजिक विज्ञान विषय पर आधारित एमटी प्रशिक्षण	1	जुलाई 16	5 दिन	40	प्रा.वि. शिक्षक	2	40000 / —	
6	कक्षा 6 से 8 की हिंदी विषय पर आधारित एमटी प्रशिक्षण	1	अगस्त, 16	5 दिन	40	प्रा.वि. शिक्षक	2	40000 / —	
7	कक्षा 6 से 8 की अंग्रेजी विषय पर आधारित एमटी प्रशिक्षण	1	सितंबर 16	5 दिन	40	प्रा.वि. शिक्षक	2	40000 / —	

कार्यगोष्ठी–

1	वार्षिक कार्ययोजना (पंचांग) निर्माण कार्यगोष्ठी	1	मई 16	3 दिन	20	डाइट संकाय संदस्य	—	—	
2	डर्फ व प्रभाग स्तरीय शोध संगोष्ठी प्रथम (सत्रारंभ)	1	जुलाई 16	3 दिन	40	डर्फ शोध सदस्य व प्रभाग प्रभारी	2	20970 / —	
3	जिला स्तरीय शोध योजना निर्माण कार्यगोष्ठी	1	अक्टूबर 16	3 दिन	10	डर्फ सदस्य व प्रभाग प्रभारी	2	—	एस.एस.ए. के शोध बजट से
4	डर्फ व प्रभाग स्तरीय शोध (द्वितीय संगोष्ठी)	1	नवम्बर, 16	3 दिन	40	डर्फ शोध सदस्य व प्रभाग प्रभारी	2	20970 / —	

5	वार्षिक पत्रिका/ब्रौशर निर्माण एवं अनुसीमन कार्यगोष्ठी	1	जनवरी, 17	3 दिन	10	डाइट संकाय सदस्य	2		
6	डर्फ व प्रभाग स्तरीय शोध तृतीय संगोष्ठी	1	फरवरी, 17	3 दिन	40	डर्फ शोध सदस्य व प्रभाग प्रभारी	2	20970/–	
7	डर्फ व प्रभाग स्तरीय शोध सार लेखन कार्यगोष्ठी	1	मार्च, 17	3 दिन	10	डर्फ सदस्य व प्रभाग प्रभारी	2	7320/–	
8	अनुसंधान/क्रियात्मक अनुसंधान कार्यगोष्ठी – आकल्प निर्माण	1	जून 16	3 दिन	8	विषय विशेषज्ञ		अनुसंधान मद	
9	अनुसंधान/क्रियात्मक अनुसंधान कार्यगोष्ठी उपकरण निर्माण	1	सितंबर 16	3 दिन	8	विषय विशेषज्ञ		अनुसंधान मद	
10	अनुसंधान/क्रियात्मक अनुसंधान कार्यगोष्ठी दत्त विश्लेषण एवं प्रतिवेदन लेखन	1	दिसंबर,16	3 दिन	4	विषय विशेषज्ञ		अनुसंधान मद	
बैठक									
1	जिला समन्वय समिति की बैठक प्रथम	1	जून, 16	1 दिन	20	जि.शि.अ., बीइईओ व डाइट संकाय प्रति बैठक	–	8700/–	टी.ए. डी.ए. एवं पेन, डायरी
2	जिला समन्वय समिति की बैठक द्वितीय	1	अगस्त 16	1 दिन	20	जि.शि.अ., बीइईओ व डाइट संकाय प्रति बैठक	–	8700/–	टी.ए. डी.ए. एवं पेन, डायरी
3	जिला समन्वय समिति की बैठक तृतीय	1	नवम्बर 16	1 दिन	20	जि.शि.अ., बीइईओ व डाइट संकाय प्रति बैठक	–	8700/–	टी.ए. डी.ए. एवं पेन, डायरी
4	जिला समन्वय समिति की बैठक चतुर्थ	1	मार्च 17	1 दिन	20	जि.शि.अ., बीइईओ व डाइट संकाय प्रति बैठक	–	8700/–	टी.ए. डी.ए. एवं पेन, डायरी

5	डर्फ सलाहकार मण्डल व कार्यकारिणी की बैठक सत्रारंभ	1	जुलाई 16	1 दिन	10	जि.शि.अ. समस्त डाइट संकाय व शोध से जुड़े शिक्षाविद्	—	4350	टी.ए. डी. ए. एवं पेन, डायरी
6	डर्फ सलाहकार मण्डल व कार्यकारिणी की बैठक द्वितीय सत्रान्त	1	मार्च 17	1 दिन	10	जि.शि.अ. समस्त डाइट संकाय व शोध से जुड़े शिक्षाविद्	—	4350	टी.ए. डी. ए. एवं पेन, डायरी

प्रसार—

1	अन्तर्जिला डाइट शैक्षिक भ्रमण	1	अक्टूबर, 15	4 दिन	8	डाइट अकादमिक स्टाफ	—	25000	—
2	जिला स्तरीय शिक्षक पत्रवाचन प्रतियोगिता — अधिगम प्रक्रिया/ शैक्षिक प्रबन्धन/ शैक्षिक नवाचार आदि किसी एक पर।	1	जनवरी 17	1 दिन	30 प्रत्येक ब्लॉक से दो	उ.प्रा.वि. एवं प्रा.वि. के अध्यापक	—		ईनाम 1000/— प्रथम — 500 द्वितीय — 300 तृतीय — 200यात्रा व्यय एवं शिक्षक मानदेय 8700
3	अन्तर्राज्यीय डाइट शैक्षिक भ्रमण	1	दिसम्बर 16	5 दिन	8	डाइट अकादमिक स्टाफ		60,000	

प्रकाशन—

1	डाइट वार्षिक पंचांग प्रकाशन 2014—15	1	जून 16	—	—	डाइट संकाय सदस्य	—	प्रकाशन मद	
2	सभी प्रभागों के ब्रोशर, फोल्डर आदि का प्रकाशन	1	फरवरी, 17	—	—	डाइट स्तर	—	प्रकाशन मद से	
3	वार्षिक पत्रिका का प्रकाशन	1	मार्च. 17	—	—	डाइट स्तर	—	प्रकाशन मद से	
4	डर्फ व प्रभाग स्तरीय शोध सार प्रकाशन	1	मार्च 17	—	—	डाइट स्तर	—	प्रकाशन मद से	

अनुसंधान

1	प्रभाग स्तरीय शोध नवीन पाठ्यक्रमानुसार शिक्षण में आने वाली कठिनाइयॉ एवं सुझाव पर किसी एक विषय में 1. हिन्दी 2. अंग्रेजी 3. संस्कृत 4. सा. विज्ञान	1	सत्र पर्यन्त	—	—	—	—	अनुसंधान मद से	
2	डर्फ स्तरीय शोध	5	सत्र पर्यन्त	—	—	—	—	अनुसंधान मद से	
3	राज्य एवं जिला स्तरीय शोध	1	सत्र पर्यन्त	—	—	—	—	अनुसंधान मद	

सेवारत शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम, क्षेत्रीय अंतःक्रियाएँ एवं नवाचार समन्वय प्रभाग (IFIC)

के कार्यक्रमों की वार्षिक कार्य योजना सत्र 2016—17

कार्यक्रमों के नाम		अप्रेल 16	मई 16	जून 16	जुलाई 16	अगस्त 16	सितम्बर 16	अक्टूबर 16	नवम्बर 16	दिसम्बर 16	जनवरी, 17	फरवरी, 17	मार्च, 17	योग
प्रशिक्षण	कार्य. सं.	—	2	—	1	3	1	—	1	2	—	—	—	10
	संभागी सं.	—	80	—	40	120	40	—	40	80	—	—	—	400
कार्यगोष्ठी	कार्य. सं.	—	1	1	1	—	1	1	1	1	1	1	1	10
	संभागी सं.	—	20	8	40	—	8	10	40	4	10	40	10	190
प्रसार	कार्य. सं.	—	—	—	—	—	—	1	—	1	1	—	—	3
	संभागी सं.	—	—	—	—	—	—	8	—	8	30	—	—	46
प्रकाशन	कार्य. सं.	—	—	1	—	—	—	—	—	—	—	1	2	4

	संभागी सं.	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–
अनुसंधान	कार्य. सं.	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	7	7
	संभागी सं.	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–
बैठक	कार्य. सं.	–	–	1	1	1	–	–	1	–	–	–	2	6
	संभागी सं.	–	–	20	10	20	–	–	20	–	–	–	30	100
योग	कार्य. सं.	–	3	3	3	4	2	2	3	4	2	2	12	40
	संभागी सं.	–	**100**	**28**	**90**	**140**	**48**	**18**	**100**	**92**	**40**	**40**	**40**	**736**

शिक्षाक्रम, अधिगम सामग्री विकास एवं मूल्यांकन प्रभाग (CMDE)

पृष्ठभूमि–

निःशुल्क एवं अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार अधिनियम के प्रावधानानुसार 6 से 14 वर्ष के समस्त बालक–बालिकाओं को गुणवत्तायुक्त निःशुल्क एवं अनिवार्य शिक्षा प्रदान करने का दायित्व राज्य एवं केंद्र सरकार का निर्धारित किया गया है। सतत् एवं व्यापक मूल्यांकन आधारित नवीन आंकलन व्यवस्था को लागू करने में सी.एम.डी.ई. प्रभाग की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण है। एनसीएफ–2005 के परिप्रेक्ष्य में शिक्षा के वांछित लक्ष्यों की प्राप्ति एवं शिक्षण को जन आंकाक्षाओं के अनुरूप उपलब्धि परक बनाने के लिए शिक्षाक्रम, सामग्री विकास एवं मूल्यांकन प्रभाग के माध्यम से विभिन्न प्रशिक्षण एवं कार्यगोष्ठियां आयोजित की जाती है। इनके माध्यम से पाठ्यक्रम की नवीन अवधारणाओं तथा सतत एवं व्यापक मूल्यांकन की आधुनिक विधाओं से अवगत कराने तथा शिक्षण विधाओं में नवाचार अपनाते हुए कक्षाकक्ष की समुचित स्थितियों को बाल केंद्रित व गतिविधि आधारित बनाने एवं आनंददायी स्वरूप प्रदान करने की अपेक्षा की गई है।

प्रभाग के कार्य –

1. राज्य में संचालित कक्षा 1 से 8 के शिक्षाक्रम एवं पाठ्यक्रम की जानकारी देना एवं जिला स्तर पर संदर्भ समूह तैयार करना।
2. प्राथमिक विद्यालयों की नवीन पाठ्यपुस्तकों के प्रभावी शिक्षण हेतु जिला स्तरीय संदर्भ समूह तैयार करना एवं प्रशिक्षण आयोजित करना।।
3. टी.एल.एम. निर्माण करना, प्रभाग स्तरीय ब्रोशर लेखन एवं अनुसीमन करना।
4. सीसीई विद्यालयों को संबलन प्रदान करने हेतु ऑन साईट सपोर्ट कार्यक्रम का संपादन करना।

5. प्रभाग से संबंधित प्रशिक्षण एवं कार्यगोष्ठियों के सफल आयोजन हेतु उप्रावि/मावि/उमावि स्तर के विषय विशेषज्ञ को संदर्भ व्यक्ति के रूप में तैयार करना।
6. कक्षा में विभिन्न स्तरों के विद्यार्थियों को पढ़ाने हेतु बहुस्तरीय शिक्षण प्रशिक्षण आयोजित करना।

शिक्षाक्रम, अधिगम सामग्री विकास एवं मूल्यांकन प्रभाग (CMDE) के कार्यक्रमों का संख्यात्मक विवरण

कार्यक्रम के प्रकार						कार्यक्रमों की कुल संख्या	कुल संभागी	अनुमानित राशि
प्रशिक्षण	कार्यगोष्ठी	प्रसार	अनुसंधान	प्रकाशन	बैठक			
12	5	29	1	1	8	56	540	416940

शिक्षाक्रम, अधिगम सामग्री विकास एवं मूल्यांकन प्रभाग (CMDE) का वार्षिक कार्यक्रम 2016–2017

क्र. सं.	कार्यक्रम का शीर्षक	कार्यक्रम	माह	अवधि	संभागी संख्या	संभागी स्तर	संदर्भ व्यक्ति/प्रशिक्षक	अनुमानित व्यय	वि.वि.
	प्रशिक्षण								
1	Comprehensive Basic Foundation / Comprehensive Advance Foundation कोर्स वर्ष 1 हेतु दक्ष प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण	4	मई 16	6दिन	40 40 40 40	प्रावि/उप्रावि प्रावि/उप्रावि प्रावि/उप्रावि प्रावि/उप्रावि	2 2 2 2	48000 48000 48000 48000	
2	Comprehensive Basic Practice/	4	अगस्त 16	2दिन	40	प्रावि/उप्रावि	2	16000	

	Comprehensive Advance Practice कोर्स वर्ष 1 हेतु दक्ष प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण				40 40 40	प्रावि / उप्रावि प्रावि / उप्रावि प्रावि / उप्रावि	2 2 2	16000 16000 16000	
3.	Comprehensive Basic Revision/ Comprehensive Advance Revision कोर्स वर्ष 1 हेतु दक्ष प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण	4	दिसंबर 16	4दिन	40 40 40 40	प्रावि / उप्रावि प्रावि / उप्रावि प्रावि / उप्रावि प्रावि / उप्रावि	2 2 2 2	32000 32000 32000 32000	

कार्यगोष्ठी

1	पाक्षिक योजना निर्माण कार्यगोष्ठी गणित व पर्यावरण अध्ययन	2	जुलाई 16 सितंबर 16	3 दिन 3 दिन	20 20	प्रावि / उप्रावि. प्रावि / उप्रा.वि	2 2	11970 / – 11970 / –	
2	सत्र 13–14 से जिले में संचालित सी.सी.ई. विद्यालयों की उपलब्धियों की प्रभावशीलता – एक अध्ययन अनुसंधान / प्रभाग संबंधी अनुसंधान कार्यगोष्ठी–आकल्प निर्माण, उपकरण निर्माण, दत्त विश्लेषण व प्रतिवेदन लेखन	3	जून, 16 अगर्स्त,16 जनवरी 17	3 दिन 3 दिन 3 दिन	8 8 4	प्रावि से उमावि	2 2 1	3600 3600 1800	

प्रसार

1	कलस्टर रिसोर्स स्कूल मासिक बैठकों में सहभागिता एवं सम्बलन्	9	जुलाई, 16 से मार्च, 17 तक	प्रतिमाह एक दिन	–	प्रभाग प्रभारी द्वारा	–	–	
2	प्र.अ. वाक्पीठ में सी.सी.ई. संबंधी वार्ता	1 1	जुलाई 16 एवं मार्च 17	जुलाई मार्च 16	–	प्रभाग प्रभारी द्वारा	–	–	
3	सी.सी.ई. विद्यालयों का ऑन साइट सपोर्ट कार्यक्रम (2 विद्यालय प्रति माह)	18	जुलाई 16 से मार्च 17	2 दिन प्रति माह	–	प्रभाग प्रभारी द्वारा	–	–	
	बैठक								
1	सीसीई व एसआईक्यूई कार्यक्रम के तहत जिला अकादमिक समिति की नियमित समीक्षा बैठकों का आयोजन	8	अगस्त 2016 से मार्च 2017 तक	8 दिन	–				

प्रकाशन

1	प्रभाग संबंधी फोल्डर निर्माण	1	मार्च, 17	सत्र पर्यन्त	–	–	–	प्रकाशन मद से	

अनुसंधान

1	सत्र 13–14 से जिले में संचालित सी.सी.ई. विद्यालयों की उपलब्धियों की प्रभावशीलता – एक अध्ययन अनुसंधान/प्रभाग संबंधी क्रियात्मक अनुसंधान	1	मार्च, 17	सत्र पर्यन्त	–	–	–	अनुसंधान मद से	

शिक्षाक्रम, अधिगम सामग्री विकास एवं मूल्यांकन प्रभाग (CMDE)
वार्षिक कार्य योजना सत्र 2016–17

कार्यक्रम का नाम		अप्रेल, 16	मई, 16	जून, 16	जुलाई, 16	अगस्त, 16	सितम्बर, 16	अक्टूबर, 16	नवम्बर, 16	दिसम्बर, 16	जनवरी, 17	फरवरी, 17	मार्च, 17	योग
प्रशिक्षण	कार्य. सं.	–	4	–	–	4	–	–	–	4	–	–	–	12
	संभागी सं.	–	160	–	–	160	–	–	–	160	–	–	–	480
कार्यगोष्ठी	कार्य. सं.	–	–	1	1	1	1	–	–	–	1	–	–	5
	संभागी सं.	–	–	8	20	8	20	–	–	–	4	–	–	60
बैठक	कार्य. सं.	–	–	–	–	1	1	1	1	1	1	1	1	9
	संभागी सं.	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–
प्रसार	कार्य. सं.	–	–	–	4	3	3	3	3	3	3	3	4	29
	संभागी सं.	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–

प्रकाशन	कार्य. सं.	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	1	1
	संभागी सं.	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—
अनुसंधान	कार्य. सं.	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	1	1
	संभागी सं.	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—
योग	कार्य. सं.	—	4	1	5	5	5	4	4	9	4	4	7	56
	संभागी सं.	—	160	8	20	168	20	—	—	160	4	—	—	540

जिला संदर्भ इकाई (D.R.U.) प्रभाग

पृष्ठभूमि–

वर्तमान परिप्रेक्ष्य में निःशुल्क एवं अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009 के तहत समस्त बालक–बालिकाओं को उनकी आयुवर्ग के अनुसार शिक्षा प्राप्त करने की अनिवार्यता पर बल दिया गया है। उक्त अधिनियम की पालनार्थ जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थानों के जिला संदर्भ इकाई प्रभाग की जिला स्तर पर आयोजित कार्यक्रमों के सफल नियोजन, आयोजन, समन्वयन एवं आवश्यकतानुसार प्रबोधन की व्यवस्था करने में महत्वपूर्ण भूमिका है।

डी.आर.यू. प्रभाग के कार्यों में विविधता एवं व्यापकता है। यह प्रभाग विभिन्न कार्यक्रमों के तहत बालक बालिकाओं को शिक्षा से जोड़ने के लिए एवं अभिभावकों में जागृति, जनसंख्या शिक्षा एवं साक्षरता संबंधी नवीन संकल्पनाओं का प्रशिक्षण आयोजित करने के साथ ही महिला सशक्तीकरण,उपभोक्ता संरक्षण, स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता, आपदा प्रबंधन, पर्यावरण संरक्षण संबंधी प्रशिक्षणों, प्रसार कार्यक्रमों एवं कार्यगोष्ठियों के प्रभावी एवं सफल आयोजन की महती भूमिका का निर्वहन करता है।

प्रभाग के कार्य –

1. गुणवत्तापूर्ण, सकारात्मक सोच एवं स्वास्थ्य जागरूकता संबंधी प्रशिक्षण आयोजित करना।
2. विषयवस्तु को जनसंख्या शिक्षा से जोड़कर प्रशिक्षण आयोजित करना।

3. पर्यावरण संरक्षण एवं आपदा प्रबंधन संबंधी प्रशिक्षण आयोजित करना।
4. विभिन्न क्षमताओं वाले विद्यार्थियों के संबलन हेतु प्रशिक्षण आयोजित करना।
5. मानवाधिकारों एवं उपभोक्ता संरक्षण की जानकारी हेतु प्रशिक्षण आयोजित करना।
6. महिलाओं में जागृति एवं संबलन प्रदान करने हेतु प्रशिक्षण आयोजित करना।
7. कन्या भ्रूण हत्या रोकथाम संबंधी कार्यगोष्ठी आयोजित करना।
8. डाइट के अन्य प्रभागों में समन्वयन एवं अपेक्षित सहयोग प्रदान करना।
9. विद्यालयों में विशिष्ट दिवसों पर अवलोकन, मार्गदर्शन एवं सहभागिता प्रदान करना।
10. प्रभाग स्तरीय अनुसंधान संपादित करना।
11 .अनुवर्तन एवं प्रबोधन कार्यक्रम आयोजित करना।
12. सड़क सुरक्षा, स्वच्छ भारत, पर्यावरण प्रोत्साहन आदि राश्ट्रीय सरोकार के विशय संबंधी कार्यक्रम आयोजित करना।

जिला संदर्भ इकाई (D.R.U.) प्रभाग के कार्यक्रमों का संख्यात्मक विवरण

कार्यक्रम के प्रकार					कार्यक्रमों की कुल संख्या	कुल संभागी	अनुमानित राशि
शिंक्षण	कार्यगोष्ठी	प्रसार	अनुसंधान	प्रकाशन			
11	5	9	1	1	27	480	224055

जिला संदर्भ इकाई (DRU)वार्षिक कार्यक्रम 2016–17

क्र. सं.	कार्यक्रम का शीर्षक	कार्यक्रम संख्या	मह	अवधि	संभागी		संदर्भ व्यक्ति /प्रशिक्षक	अनुमानित व्यय	वि.वि.
					संख्या	स्तर			
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10.
प्रशिक्षण									
1	मासिक कार्यशालाओं हेतु दक्ष प्रशिक्षकों का आमुखीकरण	1	जुलाई 16	1 दिन	20	विषय विशेषज्ञ एवं डाइट संकाय		6885	

2	आपदा प्रबन्धन संबंधी प्रशिक्षण	2	अगस्त 16 सितंबर 16	5 दिन 5 दिन	40 40	उ.प्रा.वि. के अध्यापक	2 प्रतिदिन	40000 40000	
3	बाल संरक्षण अधिनियम संबंधी प्रशिक्षण	1	अगस्त 16	1 दिन	40	प्रा.वि./उ.प्रा. वि.	2 प्रतिदिन	13300	
4	सकारात्मक सोच एवं गुणवत्ता शिक्षा हेतु प्रशिक्षण	1	सितम्बर 16	1 दिन	40	प्रा.वि./उ.प्रा. वि.	2 प्रतिदिन	13300	
5	Child Friendly School Development प्रशिक्षण	1	अक्टूबर 16	1 दिन	40	प्रा.वि./उ.प्रा. वि. के अध्यापक	2 प्रतिदिन	13300	
6	विश्व महिला दिवस आयोजनार्थ प्रशिक्षण (महिला सशक्तिकरण)	1	फरवरी 16	1 दिन	40	प्रा.वि./उ.प्रा. वि	2 प्रतिदिन	13300	
7	विश्व जनसंख्या दिवस आयोजनार्थ प्रशिक्षण	1	जुलाई 16	1 दिन	40	प्रा.वि./उ.प्रा. वि.	2 प्रतिदिन	13300	
8	विश्व निःशक्त जन दिवस आयोजनार्थ प्रशिक्षण	1	नवम्बर 16	1 दिन	40	प्रा.वि./उ.प्रा. वि.	2 प्रतिदिन	13300	
9	विश्व एड्स दिवस आयोजनार्थ प्रशिक्षण	1	नवम्बर 16	1 दिन	40	प्रा.वि./उ.प्रा. वि.	2 प्रतिदिन	13300	
10	विश्व मानवाधिकार दिवस आयोजनार्थ प्रशिक्षण	1	दिसम्बर 16	1 दिन	40	प्रा.वि./उ.प्रा. वि.	2 प्रतिदिन	13300	
कार्यगोष्ठी–									
1	पर्यावरण संचेतना विकास संबंधी सामग्री निर्माण कार्यगोष्ठी	1	जनवरी 17	3 दिन	20	प्रा.वि./उ.प्रा.वि.	2 प्रतिदिन	10485	
2	बेटी बचाओ ,बेटी पढ़ाओ योजना संबंधी सामग्री निर्माण (स्क्रेप बुक, स्लोगन, चार्ट, पोस्टर) कार्यगोष्ठी	1	मार्च 17	3 दिन	20	प्रा.वि./उ.प्रा.वि.	2 प्रतिदिन	10485	
3	प्रभाग स्तरीय भाोध आकल्प निर्माण कार्यगोश्ठी	1	जून 16	3 दिन	8	विषय विशेषज्ञ	2	3600	
4	शोध उपकरण निर्माण	1	अगस्त 16	3 दिन	8	विषय विशेषज्ञ	2	3600	
5	दत्त विश्ले ाण एवं प्रतिवेदन लेखन	1	नवंबर 16	3दिन	4	विषय विशेषज्ञ	1	1800	
प्रसार									
1	अन्तर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस संबंधी प्रदर्शनी	1	सितम्बर 16	1 दिन	–	चयनित			

	पर चयनित 2 विद्यालयों का परिवीक्षण, मार्गदर्शन, सहभागित्व					विद्यालय			
2	किशोर जागृति दिवस 1 दिन पर चयनित 2 विद्यालयों का परिवीक्षण, मार्गदर्शन व सहभागित्व	1	सितम्बर 16	1 दिन	–	चयनित विद्यालय			
3	विश्व एड्स दिवस 1 दिन पर चयनित 2 विद्यालयों का परिवीक्षण, मार्गदर्शन व सहभागित्व	1	1 दिसम्बर 16	1 दिन	–	चयनित विद्यालय			
4	विश्व निःशक्त जन दिवस 1 दिन पर चयनित 2 विद्यालयों का परिवीक्षण, मार्गदर्शन व सहभागित्व	1	3 दिसम्बर 16	1 दिन	–	चयनित विद्यालय			
5	विश्व मानवाधिकार दिवस 1 दिन पर चयनित 2 विद्यालयों का परिवीक्षण, मार्गदर्शन व सहभागित्व	1	(10दिसम्बर) 16	1 दिन	–	चयनित विद्यालय			
6	शिक्षको के लिये जिला स्तरीय पत्रवाचन प्रतियोंगिता (उपभोक्ता संरक्षण, कन्या भ्रूण हत्या, जेण्डर संवेदनशीलता)	1	जनवरी 17	1 दिन	30	प्रा.वि./उ.प्रा. वि. शिक्षक	3 निर्णायक		
7	विश्व जनसंख्या दिवस पर चयनित विद्यालयों का परिवीक्षण, मार्गदर्शन व सहभागित्व	1	11 जुलाई 16	1 दिन	–	चयनित विद्यालय			
8	विश्व महिला दिवस पर चयनित विद्यालयों का परिवीक्षण, मार्गदर्शन व सहभागित्व	1	8 मार्च 16	1 दिन	–	चयनित विद्यालय			
9	हाथ धुलाई दिवस पर चयनित विद्यालयों का परिवीक्षण मार्गद ान व सहभागिता	1	(शिविरा पंचांग के अनुसार) अक्टुम्बर,16	1 दिन	–	चयनित विद्यालय			
प्रकाशन–									
1	प्रभाग से संबंधित फोल्डर ब्रोशर	1	मार्च17			–			
अनुसंधान–									
1	प्रभाग स्तरीय किसी एक विशय पर क्रियात्मक अनुसंधान	1				–		अनुसंधान मद	

जिला संदर्भ इकाई (DRU) प्रभाग वार्षिक कार्ययोजना सत्र 2016–17

क्र. सं.		कार्यक्रमों के नाम	अप्रैल 16	मई,16	जून 16	जुलाई,16	अगस्त 16	सितम्बर 16	अक्टूबर 16	नवम्बर 16	दिसम्बर 16	जनवरी 17	फरवरी 17	मार्च 17	योग
1.	प्रशिक्षण	कार्य. सं.	–	–	–	2	2	2	1	2	1	–	1	–	11
		संभागी सं.	–	–	–	60	80	80	40	80	40	–	40	–	420
2.	कार्यगोष्ठी	कार्य. सं.	–	–	1	–	1	–	–	1	–	1	–	1	5
		संभागी सं.	–	–	8		8			4		20		20	60
3.	प्रसार	कार्य. सं.	–	–	–	1	–	2	1	–	3	1	–	1	9
		संभागी सं.	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–
4	प्रकाशन	कार्य. सं.	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	1	1
		संभागी सं.	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–
5	अनुसंधान	कार्य. सं.	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	1	1
		संभागी सं.	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–
योग		कार्य. सं.	–	–	1	3	3	4	2	3	4	2	1	4	27
		संभागी सं.	–	–	8	60	88	80	40	84	40	20	40	20	480

शैक्षिक प्रौद्योगिकी प्रभाग (E.T.)

पृष्ठभूमि–

वर्तमान युग सूचना प्रौद्योगिकी का युग है। चारों ओर नवीन तकनीकों, अनुसंधानों एवं आविष्कारों की धूम मची है। निश्चय ही शिक्षण अधिगम प्रक्रिया भी आधुनिकतम प्रक्रियाओं से अछूती नहीं रही है। शिक्षक भी शैक्षिक उद्दे यों की प्राप्ति के लिए नवीन पाठ्यक्रम एवं शिक्षाक्रम की अपेक्षाओं के अनुसार अपने कक्षा–कक्ष में नवीन शैक्षिक प्रौद्योगिकी का उपयोग करे, यह समय की मांग है। इसी उद्देश्य को दृष्टिगत रखते हुए शैक्षिक प्रौद्योगिकी प्रभाग के पंचांग में नवीन कार्यक्रमों का समावेश किया गया है।

शैक्षिक प्रौद्योगिकी के प्रशिक्षणों में शिक्षकों की शिक्षण में दक्षता अभिवर्धन हेतु विषय आधारित प्रशिक्षणों एवं नवीन शिक्षण तकनीकों के प्रशिक्षणों को पंचांग में सम्मिलित किया गया है। विभिन्न कार्यगोष्ठियों के माध्यम से शिक्षण सामग्री के निर्माण एवं उपयोग के साथ साथ विद्यालय प्रसारण जैसे राज्य स्तरीय महत्वपूर्ण कार्यक्रमों हेतु पाठ आलेखन के कार्य को प्रधानता दी गई है। साथ ही प्रसार कार्यक्रमों अनुसंधान एवं प्रकाशनों संबंधी विभिन्न कार्यों को भी इसमें स्थान दिया गया है।

प्रभाग के कार्य –

1. शैक्षिक प्रौद्योगिकी प्रभाग अजमेर द्वारा निर्मित ई–लर्निंग सामग्री के उपयोग का प्र िक्षण व वितरण करना।
2. कम्प्यूटर एवं मल्टी मीडिया प्रशिक्षण कार्यक्रम का उच्च प्राथमिक विद्यालयों का संस्था प्रधानों एवं अध्यापकों हेतु प्रशिक्षणों का आयोजन करना।
3. आधुनिक शिक्षण विधियों एवं तकनीकों द्वारा शिक्षकों में पर्यावरण एवं गणित शिक्षण को प्रभावी बनाने हेतु प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन करना।
4. अध्यापकों को निदर्श ान एवं परामर्श सेवा की जानकारी प्रदान कर विद्यार्थियों को लाभान्वित करने हेतु प्रशिक्षण प्रदान करना।
5. विज्ञान एवं गणित को व्यावहारिक जीवन से जोड़ने, अंधविश्वासों को दूर करने एवं शिक्षकों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण के विकास हेतु प्रशिक्षणों का आयोजन करना।
6. विज्ञान तथा गणित से संबंधित अल्पव्ययी शिक्षण सामग्री निर्माण हेतु कार्यगोष्ठी का आयोजन करना।
7. निर्देशन एवं परामर्श सेवा से संबंधित सामग्रियों के निर्माण कार्य हेतु कार्यगोष्ठियों का आयोजन करना।
8. विद्यालय प्रसारण कार्यक्रम से संबंधित पाठों का आलेखन हेतु आलेखन कार्यगोष्ठी का आयोजन करना।
9. शिक्षकों में स्वस्थ प्रतिस्पर्धा विकसित करने हेतु विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन कर शैक्षिक प्रौद्योगिकी का प्रचार प्रसार करना।
10. विद्यालय प्रसारण कार्यक्रम को विद्यालय में सुनाने हेतु प्रसार–प्रचार एवं अनुवर्तन का कार्य करना।
11. क्षेत्र में व्यापक शैक्षिक समस्याओं के समाधान हेतु अनुसंधान अध्ययन का आयोजन करना।

12. विभाग की गतिविधियों से शिक्षकों को प्रेरित करने तथा उन्हें सक्रिय बनाने की भावना से प्रभाग की उपलब्धियों को ब्रोशर के माध्यम से विद्यालयों तक पहुंचाना।

शैक्षिक प्रौद्योगिकी प्रभाग (E.T.) के कार्यक्रमों का संख्यात्मक विवरण

कार्यक्रम के प्रकार					कार्यक्रमों की कुल संख्या	कुल संभागी	अनुमानित राशि
प्रशिक्षण	कार्यगोष्ठी	प्रसार	अनुसंधान	प्रकाशन			
9	12	1	1	1	24	570	460365

शैक्षिक प्रौद्योगिकी प्रभाग ET वार्षिक कार्यक्रम– 2016–17

क्र. सं.	कार्यक्रम का शीर्षक	कार्यक्रम संख्या	मह	अवधि	संभागी		संदर्भ व्यक्ति / प्रशिक्षक	अनुमानित व्यय	वि.वि.
					संख्या	स्तर			
		3	4	5	6	7	8	9	10.
प्रशिक्षण									
1	Comprehensive Basic Foundation / Comprehensive Advance Foundation कोर्स वर्ष 1 हेतु दक्ष प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण	2	मई 16	6दिन	40 40	प्रावि / उप्रावि प्रावि / उप्रावि	2 2	48000 48000	
2	Comprehensive Basic Practice/ Comprehensive Advance Practice कोर्स वर्ष 1 हेतु दक्ष प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण	2	अगस्त 16	2दिन	40 40	प्रावि / उप्रावि प्रावि / उप्रावि	2 2	16000 16000	
3.	Comprehensive Basic Revision/ Comprehensive Advance Revision कोर्स वर्ष 1 हेतु दक्ष प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण	2	दिसंबर 16	4दिन	40 40	प्रावि / उप्रावि प्रावि / उप्रावि	2 2	32000 32000	

4	विज्ञान विषय नवीनतम पाठ्य पुस्तक हेतु दक्ष प्रशिक्षक प्रशिक्षण (कक्षा 6 से 8)	1	सित.16	5 दिन	40	उ.प्रा.वि.	2 प्रतिदिन (संदर्भ व्यक्ति)	40000	
5	गणित विषय नवीनतम पाठ्य पुस्तक हेतु दक्ष प्रशिक्षक प्रशिक्षण (कक्षा 6 से 8)	1	नव. 16	5 दिन	40	उ.प्रा.वि.	2 प्रतिदिन (संदर्भ व्यक्ति)	40000	
6	शैक्षिक एवं व्यावसायिक निर्देशन एवं परामर्श सेवा प्रशिक्षण	1	जनवरी 17	5 दिन	40	उ.प्रा.	2 प्रतिदिन (संदर्भ व्यक्ति)	40000	
कार्यगोष्ठी									
1	विज्ञान विषय की नवीन पाठ्यपुस्तक के कठिन बिन्दुओं पर प्रदर्शन पाठ आधारित सी.डी. निर्माण	3	अप्रेल 16 मई 16 जून 16	3 दिन 3 दिन 3 दिन	20 20 20	उ.प्रा.वि. उ.प्रा.वि. उ.प्रा.वि.		10485 10485 10485	
2	शैक्षिक प्रौधोगिकी का उपयोग करते हुए पर्यावरण अध्ययन विषय की नवीन पाठ्यपुस्तक के कठिन बिन्दुओं पर प्रदर्शन पाठ आधारित पाठो की सी.डी. निर्माण–कक्षा 1 से 5	3	मई 16 जुलाई 16 अगस्त 16	3 दिन 3 दिन 3 दिन	20 20 20	उ.प्रा.वि. उ.प्रा.वि. उ.प्रा.वि.		10485 10485 10485	
3	शैक्षिक प्रौद्योगिकी का उपयोग करते हुए गणित वि ाय की नवीन पाठ्यपुस्तक के कठिन बिन्दुओं पर प्रदर्शन पाठ आधारित पाठो की सी.डी. निर्माण– कक्षा 6 से 8	3	जून 16 जुलाई 16 अगस्त 16	3 दिन 3 दिन 3 दिन	20 20 20	उ.प्रा.वि. उ.प्रा.वि. उ.प्रा.वि.		10485 10485 10485	
4	प्रभाग स्तरीय शोध हेतु आकल्प निर्माण, उपकरण निर्माण एवं दत्त विश्लेषण	3	अगस्त.16 अक्टू.16 नव. 16	3 दिन 3 दिन 3 दिन	8 8 4	विषय विशेषज्ञ	2 2 1	3600 3600 1800	
शिविरा पंचांग के अनुसार विद्यालय प्रसारण कां विद्यालयों में प्रचार प्रसार करना									
प्रसार									
1	विज्ञान/गणित शिक्षण में आई.टी. उपयोग के संदर्भ में पत्र वाचन	1	जनवरी 17	1 दिन	30 प्रति ब्लॉक 2	प्रा.वि. एवं उ.प्रा.वि.		10600	1000ईनाम
प्रकाशन									
1	प्रभाग आधारित फोल्डर/ब्रोशर	1	मार्च 17		–	प्रभाग अधिकारी	प्र.अधि.	प्रकाशन मद से	
अनुसंधान									
1	प्रभाग संबंधी क्रियात्मक अनुसंधान	1	मार्च 17	सत्र पर्यन्त				अनुसंधान मद	

								से	

E.T. प्रभाग वार्षिक कार्य योजना सत्र 2016–17

क्र. सं.		कार्यक्रमों के नाम	अप्रेल, 16	मई, 16	जून, 16	जुलाई, 16	अगस्त, 16	सितम्बर, 16	अक्टूबर, 16	नवम्बर, 16	दिसम्बर, 16	जनवरी, 17	फरवरी, 17	मार्च, 17	योग
1.	प्रशिक्षण	कार्य. सं.	–	2	–	–	2	1	–	1	2	1	–	–	9
		संभागी सं.	–	80	–	–	80	40	–	40	80	40	–	–	360
2.	कार्यगोष्ठी	कार्य. सं.	1	2	1	2	3	–	1	1	–	–	–	–	12
		संभागी सं.	20	40	20	40	48	–	8	4	–	–	–	–	180
3.	प्रसार	कार्य. सं.	–	–	–	–	–	–	–	–	–	1	–	–	1
		संभागी सं.	–	–	–	–	–	–	–	–	–	30	–	–	30
4	प्रकाशन	कार्य. सं.	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	1	1
		संभागी सं.	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–
5	अनुसंधान	कार्य. सं.	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	1	1
		संभागी सं.	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–
योग		कार्य. सं.	1	4	1	2	5	1	1	2	2	2	–	2	24
		संभागी सं.	20	120	20	40	128	40	8	44	80	70	–	–	570

कार्यानुभव प्रभाग [W.E.]

पृष्ठभूमि–

वर्तमान वैश्वीकरण के युग में मानव अपने भीतर मौजूद कला, संस्कृति एवं जीवन के भावनात्मक पक्ष, मानवीय मूल्य के संवर्द्धन हेतु समय नहीं दे पा रहा है और उसका जीवन नीरस हो रहा है। इतने व्यस्त समय में जब भी उसका सामना उसके परिवेश में चलते लोक संगीत, लोक कला, लोक नाट्य से होता है, तो वह एकदम जीवंत हो उठता है और उसमें इन कलाओं को अपने जीवन में समाहित करने के विचार जागृत होते हैं। उन विचारों की पूर्ति कार्यानुभव प्रभाग के कार्यक्रम जैसे– प्रार्थना सभा, लोक–संगीत, उत्सव,पर्व, उपयोगी एवं कलात्मक सामग्री निर्माण और जीवन मूल्यों के सुदृढ़ीकरण के माध्यम से होती है।

कहते भी हैं– ''स्वस्थ शरीर में स्वस्थ मस्तिष्क निवास करता है।'' यह प्रभाग स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता– योग, व्यायाम, सूक्ष्म व्यायाम आदि के माध्यम से स्फूर्ति उत्पन्न करता है।

समाज में बढ़ती हुई जनसंख्या को बेरोजगारी से उबारने के लिए कई दिशाएं जैसे– छापांकन कला,स्टेंसिल, कोलॉज, फल–सब्जी संरक्षण, घरेलू उपयोगी एवं कलात्मक सामग्री निर्माण, घरेलू उपकरणों का रख रखाव इत्यादि इस प्रभाग द्वारा दर्शायी जा रही है। इसके अतिरिक्त अल्पना, माण्डने, रंगोली, उत्सव, लोककलाओं, विभिन्न व्यंजनों के निर्माण से संस्कृति को जीवंत रखा जा सकता है।

राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा 2005 परिप्रेक्ष्य में वर्णित है कि सौन्दर्य व कला के विभिन्न रूपों को समझना व उसका आनंद उठाना, मानव जीवन का एक अभिन्न अंग है। कला, साहित्य और ज्ञान के अन्य क्षेत्रों में सृजनात्मकता का एक दूसरे से घनिष्ठ संबंध है। बच्चे की रचनात्मक अभिव्यक्ति और सौंदर्यात्मक आस्वादन की क्षमता के विस्तार के लिए साधन और अवसर मुहैया कराना शिक्षा का अनिवार्य कार्य है।

प्रभाग के कार्य

1. बालकों में जीवन–मूल्यों की शिक्षा हेतु लगाव पैदा करना।
2. बालकों में श्रम के प्रति निष्ठा, सम्मान एवं श्रम करने की आदतों का विकास करना।
3. बालकों को सृजन ाील एवं स्वावलंबी बनाकर स्वरोजगार के लिए प्रेरित करना।

4. सृजनात्मकता एवं मौलिकता को अभिव्यक्त करने का अवसर प्रदान करना।
5. सीसीईसम्बन्धी कार्यगोष्ठियों में भागीदारी एवं संबलन।
6. पारंपरिक योग शिक्षा/ पारंपरिक खेलसंबंधी प्रशिक्षणों का आयोजन
7. शनिवारीय कार्यक्रमों में गतिविधि, दक्षता आधारित कार्यक्रम आयोजित करने के लिए बच्चों को प्रेरित करना।
8. प्रार्थना सभा को आनन्ददायी एवं ज्ञानवर्धक बनाने संबंधी प्रशिक्षण।
9. विद्यार्थियों में स्वास्थ्यवर्धक आदतों के विकास की संभावनाओं को पहचानना।
10. ''योग शिक्षा आधुनिक परिप्रेक्ष्य में अधिक महत्वपूर्ण है'' इस तथ्य की जानकारी प्रदान करना।
11. स्थानीय वातावरण में उपलब्ध सामग्री का सदुपयोग करते हुए कार्यानुभव के विभिन्न क्षेत्रों में प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालय के शिक्षकों को प्रशिक्षित करना।
12. अनुपयोगी सामग्री से शिक्षण सहायक सामग्री तैयार करने हेतु प्रशिक्षणों का आयोजन करना।
13. कला शिक्षा के अंतर्गत द्विआयामी एवं त्रिआयामी दृश्य कला एवं नाट्यकला संबंधी प्रशिक्षण।
14. संस्थान के अन्य सभी कार्यक्रमों में कार्यानुभव व कला शिक्षा विषय संबंधी योगदान करना।
15. उच्च प्राथमिक स्तर के शारीरिक शिक्षकों को प्रशिक्षित कर बालक बालिकाओं को स्वास्थ्य शिक्षा,योगासन,सफाई के बारे में जानकारी देना।
16. संस्थान परिसर का सौन्दर्यीकरण, वाटिका निर्माण, वृक्षारोपण व उनका रख रखाव व विकास संबंधी क्रियाओं का आयोजन करना।
17. प्रभाग द्वारा आयोजित प्रशिक्षणों एवं कार्यगोष्ठियों का प्रबोधन, अनुवर्तन एवं अवलोकन प्रभागाध्यक्ष एवं प्रभारी द्वारा किया जाकर प्रशिक्षणों की गुणवत्ता सुनिश्चित करना।

कार्यानुभव प्रभाग (WE) के कार्यक्रमों का संख्यात्मक विवरण

कार्यक्रम के प्रकार					कार्यक्रमों की कुल संख्या	कुल संभागी	अनुमानित राशि
प्रशिक्षण	कार्यगोष्ठी	प्रसार	अनुसंधान	प्रकाशन			
9	7	10	1	1	28	458	365000/–

कार्यानुभव प्रभाग (W.E.) का वार्षिक कार्यक्रम 2016–2017

क्र. सं.	कार्यक्रम का शीर्षक	कार्यक्रम सं.	माह	अवधि	संभागी		संदर्भ व्यक्ति/ प्रशिक्षक	अनुमानित व्यय	वि.वि.
					संख्या	स्तर			
प्रशिक्षण									
1.	प्रभाग स्तरीय संदर्भ व्यक्ति प्रशिक्षण	1	जून 16	1 दिन	20	विषय विशेषज्ञ	1	6885	–
2.	उच्च प्राथमिक स्तर पर कला शिक्षाद्वारा गणित व विज्ञान विषय को रुचिकर बनाने हेतु प्रशिक्षण	2	जुलाई 16 सितम्बर,16	5 दिन 5 दिन	40 40	उ.प्रा.वि. उ.प्रा.वि.	1 1	40000 40000	
3.	पारंपरिक एवं विभागीय खेल संबंधी प्रशिक्षण	1	फरवरी 17	5 दिन	40	प्रा.वि./उ.प्रा.वि.	1	40000	
4.	प्रार्थना सभा कार्यक्रम को आनन्ददायी एवं ज्ञानवर्धक बनाने हेतु प्रशिक्षण	2	अगस्त, 16 अक्टूबर 16	5 दिन 5 दिन	40 40	प्रा.वि./उ.प्रा.वि.	1	40000 40000	
5.	सी.सी.ई. के संदर्भ में पर्यावरण में उपलब्ध संसाधनों द्वारा साखने के स्तर में उन्नयन संबंधी प्रशिक्षण	1	नवम्बर 16	5 दिन	40	प्रा.वि./उ.प्रा.वि.	1	40000/–	
6.	व्यक्तिगत स्वच्छता एवं योग शिक्षा प्रशिक्षण	2	सितंबर 16 जनवरी 17	5 दिन 5 दिन	40 40	प्रा.वि./उ.प्रा.वि.	1	40000 40000	
कार्यगोष्ठी									
1	कोलाज, चार्ट, पोस्टर एवं स्क्रैप बुक	2	नवम्बर 16	3 दिन	20	प्रा.वि./उ.प्रा.वि.	2	6885	

	निर्माण कार्यगोष्ठी		दिसम्बर 16	3 दिन	20			6885	
2	अल्पव्ययी एवं अनुपयोगी सामग्री से सृजनात्मक एवं कलात्मक सामग्री निर्माण कार्यगोष्ठी (पाठ्यपुस्तकों के संदर्भ में)	1	फरवरी 17	3 दिन	20	प्रा.वि./उ.प्रा.वि	2	6885	
3	"कला शिक्षा और स्वास्थ्य एवं शारीरिक शिक्षा शिक्षण में सी.सी.ई. संबंधी अनुभूत कठिनाइयां एवं निवारण " अनुसंधान कार्यगोष्ठी 1. आकल्प निर्माण 2. उपकरण निर्माण 3. दत्त विश्लेषण एवं प्रतिवेदन लेखन	3	मई 16 जुलाई 16 अक्टूबर 16	3 दिन 3 दिन 3 दिन	8 8 4	प्रा.वि से उ.मा.वि	2	11970	
4	स्वास्थ्य सजगता एवं योग शिक्षा संबंधी सामग्री निर्माण कार्यगोष्ठी	1	जून 16	3 दिन	8	प्रा.वि./उ.प्रा.वि	2	11970	

प्रसारः–

1	कोलॉज/स्क्रैप बुक निर्माण प्रतियोगिता .	1	दिसम्बर 16	1 दिन	30 शिक्षक (प्रत्येक ब्लॉक से दो िक्षक)	प्रा.वि./उ.प्रा.वि	निर्णायक 3 (डाइट स्तर)	9700	ईनाम 1000/– प्रथम – 500 द्वितीय – 300 तृतीय – 200यात्रा व्यय एवं शिक्षक मानदेय 8700
2	प्रभाग द्वारा अवलोकन	9	जुलाई 16 से मार्च 17	1	–	प्रावि/उप्रावि	प्रभागाध्यक्ष		

प्रकाशनः–

1	प्रभाग संबंधी फोल्डर / ब्रोशर निर्माण	1	मार्च, 17	सत्र पर्यन्त	–	–	–	प्रकाशन मद से	

अनुसंधानः–

1	प्रभाग स्तरीय अनुसंधान	1						अनुसंधान मद से	

WE प्रभाग वार्षिक कार्ययोजना सत्र 2016–17

क्र. सं.		कार्यक्रमों के नाम	अप्रेल, 16	मई, 16	जून, 16	जुलाई, 16	अगस्त, 16	सितम्बर, 16	अक्टूबर, 16	नवम्बर, 16	दिसम्बर, 16	जनवरी, 17	फरवरी, 17	मार्च, 17	योग
1.	प्रशिक्षण	कार्य. सं.	–	–	1	1	1	2	1	1	–	1	1	–	9
		संभागी सं.	–	–	20	40	40	80	40	40	–	40	40	–	340
2.	कार्यगोष्ठी	कार्य. सं.	–	1	1	1	–	–	1	1	1	–	1	–	7
		संभागी सं.	–	8	8	8	–	–	4	20	20	–	20	–	88
3.	प्रसार	कार्य. सं.	–	–	–	1	1	1	1	1	2	1	1	1	10
		संभागी सं.	–	–	–	–	–	–	–	–	30	–	–	–	30
4	प्रकाशन	कार्य. सं.	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	1	1
		संभागी सं.	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–
5	अनुसंधान	कार्य. सं.	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	1	1
		संभागी सं.	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–
	योग	कार्य. सं.	–	1	2	3	2	3	3	3	3	3	3	3	28
		संभागी सं.	–	8	28	48	40	80	44	60	50	40	60	–	458

:: कार्यकारी दल ::

1. श्रीमती कृश्णा चौहान उपनिदशक, शिक्षक–शिक्षा विभाग 4 संस्थान, उदयपुर
2. श्रीमती मीना राघानी उपाचार्य, डाइट, चितौड़गढ़
3. श्रीमती रंजना कोठारी उपाचार्य, डाइट, उदयपुर
4. श्री गोपाल प्रसाद भार्मा उप प्रधानाचार्य, डाइट, सीकर
5. श्री भोपाल राम पुरोहित उप प्रधानाचार्य, डाइट, आबू पर्वत–सिरोही
6. श्री हनीफ खां उपाचार्य, डाइट, जालोर
7. श्रीमती उशा कुमारी वरिश्ठ व्याख्याता, डाइट, हनुमानगढ़
8. श्री जय प्रकाश शिवागर वरिश्ठ व्याख्याता, डाइट, गढ़ी–बांसवाड़ा
9. श्री करणी सिंह परिहार वरिश्ठ व्याख्याता, डाइट, बीकानेर
10. श्रीमती भाांता माहे वरिष्ठ व्याख्याता, शिक्षक–शिक्षा विभाग 4 संस्थान, उदयपुर
11. श्री.रूपा राम बुरड़क व्याख्याता, डाइट, कुचामनसिटी–नागौर
12. डॉ0 नितिन चौधरी व्याख्याता, डाइट, अलवर
13. डॉ0 सत्यनारायण सुथार व्याख्याता, डाइट, नाथद्वारा–राजसमंद